हिन्दी विभाग

छत्तीसगढ़ी भाषा दिवस : कवि सम्मेलन : 28 नवम्बर 2024

छत्तीसगढ़ी भाषा के उत्थान के लिए दिनाक 28 नवम्बर 2024 को हिंदी विभाग में छत्तीसगढ़ी भाषा दिवस मनाया गया. इस अवसर पर आयोजित कवि सम्मलेन में सर्वप्रथम विभाग प्रमुख डा रमेश टंडन के सयोजन में कविवृन्द ने मा शारदे की पूजा की. कुंती, निशा, राजकुमारी ने राज्य गीत गाया. दुर्गेश, आकाक्षा, पुष्पा, राहुल, मनोज, सोनू, पुष्पेन्द्र आदि के सहयोग एव श्रद्धा कुर्रे के मच सञ्चालन में डा रमेश टंडन ने आमंत्रित कवियो का स्वागत करते हुए "तें मोर गुरतुर बोली" कविता कहकर छत्तीसगढ़ की लुप्त सस्कृति की ओर सभी का ध्यान आकृष्ट किया. तत्पश्चात घरघोड़ा से पधारी डा रुक्मिणी सिंह राजपूत ने सुमधुर स्वर में छत्तीसगढ़ी में श्रृगार के गीत गाकर श्रोता छात्रो के बीच अविस्मणीय छाप बनायीं. बिन्चकोट से युवा छदकार मनोहर दास वैष्णव "बैरागी" ने छत्तीसगढ़ी में छद रचना सुनाकर खूब वाहवाही लुटी. साथ में उनकी धर्म पत्नी नूतन भी थी. खरसिया से कई किताबो के प्रणेता गुलाब सिंह कंवर "गुलाब" ने सस्वर छत्तीसगढ़ी में गीत और कविता सुनाकर छात्रो में नवीन ऊर्जा का सचार किया और खुद की धर्मपत्नी पर कविता सुनाई. छात्र कौशल ने भी एक गीत गाया.

विभागीय प्रोफ़ेसर डा डायमड साहू, कुसुम चौहान, अजना शास्त्री सहित छात्र परिषद् के पदाधिकारी अन्नपूर्णा जायसवाल, पायल जायसवाल, श्रेया सागर, अजली सिदार, पुष्पेन्द्र राठिया, निशा सिदार, राजकुमारी सिदार, कुती सिदार, नर्मदा राठिया, मनोज बैगा, कौशल दास, श्रद्धा कुर्रे, तोष कुमारी साहू, आकाक्षा राठौर, सुनीता राठिया एव सलोम राठिया, गज बाई, दुर्गेश पटेल, उमा साहू, डोलेश्वरी साहू, निशा सिदार, प्रीति राठिया, निशा राठिया, टिकेश्वरी गुप्ता, नेहा महंत, मंगलासो, शांति भारद्वाज, जीतू जोशी, पुष्पा नागवंश, गुलाबी राठिया, राहुल दास, विनायक पटेल, विवेक पटेल, सोनू बंजारे, धनराज चद्रा आदि छात्रो ने कवि सम्मलेन का भरपूर आनद लिया.

छत्तीसगढ़ी भाषा दिवस
28 नवम्बर 2024
GPS Map Camera
Kharsia, Chhattisgarh, India
X4h6+gww, Thakurdiya, Kharsia, Chhattisgarh 496661, India
Lat 21.978759° Long 83.112454°
28/11/24 12:45 PM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Kharsia, Chhattisgarh, India
X4h6+gww, Thakurdiya, Kharsia, Chhattisgarh 496661, India
Lat 21.978763° Long 83.112412°
28/11/24 01:44 PM GMT +05:30
Google

खरसिया महाविद्यालय में छत्तीसगढ़ी भाषा दिवस के अवसर पर कवि सम्मेलन आयोजित

रायगढ़ (किरणदूत)

छत्तीसगढ़ी भाषा के उत्थान के लिए दिनांक 28 नवम्बर 2024 को हिंदी विभाग में छत्तीसगढ़ी भाषा दिवस मनाया गया. इस अवसर पर आयोजित कवि सम्मेलन में सर्वप्रथम विभाग प्रमुख डॉ रमेश टंडन के संयोजन में कवित्रय ने माँ शारदे की पूजा की.

कुंती, निशा, राजकुमारी ने राज्य गीत गाया. दुर्गेश, आकांक्षा, पुष्पा, राहुल, मनोज, सोनू, पुष्पेन्द्र आदि के सहयोग एवं श्रद्धा कुर्रे के मंच संचालन में डॉ रमेश टंडन ने आमंत्रित कवियों का स्वागत करते हुए "हे मोर गुरतुर बोली" कविता कहकर छत्तीसगढ़ की लुप्त संस्कृति की ओर सभी का ध्यान आकृष्ट किया. तत्पश्चात सरगांव से पधारीं डॉ रुक्मिणी सिंह राजपूत ने सुमधुर स्वर में छत्तीसगढ़ी में श्रृंगार के गीत गाकर श्रोता छात्रों के बीच अविस्मरणीय छाप बनायी. बिल्हाकोट से युवा छंदकार मनोहर दास मैणकर "बैरागी" ने छत्तीसगढ़ी में छंद रचना सुनाकर खूब वाहवाही लूटी. साथ में उनकी धर्म पत्नी नूतन भी थीं. खरसिया से कई किताबों के प्रणेता गुलाब सिंह कंवर गुलाब ने सस्वर छत्तीसगढ़ी में गीत और कविता सुनाकर छात्रों में नवीन ऊर्जा का संचार किया और खुद की धर्मपत्नी पर कविता सुनाई. छात्र कौशल ने भी एक गीत गाया.

विभागीय प्रोफेसर डॉ दयानंद साहू, कुसुम चौहान, अंजना शास्त्री सहित छात्र परिषद के पदाधिकारी अन्नपूर्णा जायसवाल, पायल

जायसवाल, श्रेया सागर, आंजनी सिदार, पुष्पेन्द्र राठिया, निशा सिदार, राजकुमारी सिदार, कुंती सिदार, नर्मदा राठिया, मनोज बैग, कौशल दास, श्रद्धा कुर्रे, तोष कुमारी साहू, आकांक्षा राठौर, सुनीता राठिया एवं सलीम राठिया, राज बाई, दुर्गेश पटेल, उमा साहू, डीलेश्वरी साहू, निशा सिदार, प्रीति राठिया, निशा राठिया, दिकेश्वरी गुप्ता, नेहा महंत, मंगलाली, शांति भारद्वाज, नीतू जोशी, पूजा नागवंशी, गुलाबी राठिया, राहुल दास, विनायक पटेल, विवेक पटेल, सोनू बंजारे, धनराज चंद्रा आदि छात्रों ने कवि सम्मेलन का भरपूर आनंद लिया.

खरसिया महाविद्यालय में छत्तीसगढ़ी भाषा दिवस के अवसर पर कवि सम्मेलन आयोजित

जनकर्म न्यूज

रायगढ़। छत्तीसगढ़ी भाषा के उत्थान के लिए दिनांक 28 नवम्बर 2024 को हिंदी विभाग में छत्तीसगढ़ी भाषा दिवस मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित कवि सम्मलेन में सर्वप्रथम विभाग प्रमुख डॉ रमेश टंडन के संयोजन में कवित्रय ने माँ शारदे की पूजा की।

कुंती, निशा, राजकुमारी ने राज्य गीत गाया। दुर्गेश, आकांक्षा, पुष्पा, राहुल, मनोज, सोनू, पुष्पेन्द्र आदि के सहयोग एवं श्रद्धा कुर्रे के मंच सञ्चालन में डॉ रमेश टंडन ने आमंत्रित कवियों का स्वागत करते हुए तैं मोर गुरतुर बोली कविता कहकरछत्तीसगढ़ की लुप्त संस्कृति की ओर सभी का ध्यान आकृष्ट किया। तत्पश्चात घरघोड़ा से पधारीं डॉ रुक्मिणी सिंह राजपूत ने सुमधुर स्वर में छत्तीसगढ़ी में श्रृंगार के गीत गाकर श्रोता छात्रों के बीच अविस्मर्णीय छाप बनायीं। बिन्चकोट से युवा छंदकार मनोहर दास वैष्णव बैरागी ने छत्तीसगढ़ी में छंद रचना सुनाकर खूब वाहवाही लुटी। साथ में उनकी धर्म पत्नी नूतन भी थीं। खरसिया से कई किताबों के प्रणेता गुलाब सिंह कँवर गुलाब ने सस्वर छत्तीसगढ़ी में गीत और कविता सुनाकर छात्रों में नवीन ऊर्जा का संचार किया और खुद की धर्मपत्नी पर कविता सुनाई। छात्र कौशल ने भी एक गीत गाया। विभागीय प्रोफेसर डॉ डायमंड साहू, कुसुम चौहान, अंजना शास्त्री सहित छात्र परिषद् के पदाधिकारी अन्नपूर्णा जायसवाल, पायल जायसवाल, श्रेया सागर, अंजली सिदार, पुष्पेन्द्र राठिया, निशा सिदार, राजकुमारी सिदार, कुंती सिदार, नर्मदा राठिया, मनोज बैगा, कौशल दास, श्रद्धा कुर्रे, तोष कुमारी साहू, आकांक्षा राठौर, सुनीता राठिया एवं सलीम राठिया, गज बाई, दुर्गेश पटेल, उमा साहू, डीलेश्वरी साहू, निशा सिदार, प्रीति राठिया, निशा राठिया, टिकेश्वरी गुप्ता, नेहा महंत, मंगलासो, शांति भारद्वाज, जीतू जोशी, पुष्पा नागवंशी, गुलापी राठिया, राहुल दास, विनायक पटेल, विवेक पटेल, सोनू बंजारे, धनराज चंद्रा आदि छात्रों ने कवि सम्मलेन का भरपूर आनंद लिया।

खरसिया महाविद्यालय में छत्तीसगढ़ी भाषा दिवस के अवसर पर कवि सम्मेलन आयोजित

खरसिया। छत्तीसगढ़ी भाषा के उत्थान के लिए दिनांक 28 नवम्बर 2024 को हिंदी विभाग में छत्तीसगढ़ी भाषा दिवस मनाया गया. इस अवसर पर आयोजित कवि सम्मलेन में सर्वप्रथम विभाग प्रमुख डॉ रमेश टंडन के संयोजन में कवित्रय ने माँ शारदे की पूजा की. कुंती, निशा, राजकुमारी ने राज्य गीत गाया. दुर्गेश, आकांक्षा, पुष्पा, राहुल, मनोज, सोनू, पुष्पेन्द्र आदि के सहयोग एवं श्रद्धा कुर्रे के मंच सञ्चालन में डॉ रमेश टंडन ने आमंत्रित कवियों का स्वागत करते हुए ÷तैं मोर गुरतुर बोली÷ कविता कहकर छत्तीसगढ़ की लुप्त संस्कृति की ओर सभी का ध्यान आकृष्ट किया. तत्पश्चात घरघोड़ा से पधारीं डॉ रुक्मिणी सिंह राजपूत ने सुमधुर स्वर में छत्तीसगढ़ी में श्रृंगार के गीत गाकर श्रोता छात्रों के बीच अविस्मर्णीय छाप बनायीं. बिन्चकोट से युवा छंदकार मनोहर दास वैष्णव ÷बैरागी÷ ने छत्तीसगढ़ी में छंद रचना सुनाकर खूब वाहवाही लुटी. साथ में उनकी धर्म पत्नी नूतन भी थीं. खरसिया से कई किताबों के प्रणेता गुलाब सिंह कँवर ÷गुलाब÷ ने सस्वर छत्तीसगढ़ी में गीत और कविता सुनाकर छात्रों में नवीन ऊर्जा का संचार किया और खुद की धर्मपत्नी पर कविता सुनाई. छात्र कौशल ने भी एक गीत गाया. विभागीय प्रोफ़ेसर डॉ डायमंड साहू, कुसुम चौहान, अंजना शास्त्री सहित छात्र परिषद् के पदाधिकारी अन्नपूर्णा जायसवाल, पायल जायसवाल, श्रेया सागर, अंजली सिदार, पुष्पेन्द्र राठिया, निशा सिदार, राजकुमारी सिदार, कुंती सिदार, नर्मदा राठिया, मनोज बैगा, कौशल दास, श्रद्धा कुर्रे, तोष कुमारी साहू, आकांक्षा राठौर, सुनीता राठिया एवं सलीम राठिया, गज बाई, दुर्गेश पटेल, उमा साहू, डीलेश्वरी साहू, निशा सिदार, प्रीति राठिया, निशा राठिया, टिकेश्वरी गुप्ता, नेहा महंत, मंगलासो, शांति भारद्वाज, जीतू जोशी, पुष्पा नागवंशी, गुलापी राठिया, राहुल दास, विनायक पटेल, विवेक पटेल, सोनू बंजारे, धनराज चंद्रा आदि छात्रों ने कवि सम्मलेन का भरपूर आनंद लिया.

खरसिया महाविद्यालय में छत्तीसगढ़ी भाषा दिवस के अवसर पर कवि सम्मलेन आयोजित

लोक किरण/ डिढ़ी लाल सिदार

खरसिया -छत्तीसगढ़ी भाषा के उत्थान के लिए दिनांक 28 नवम्बर 2024 को हिंदी विभाग में छत्तीसगढ़ी भाषा दिवस मनाया गया. इस अवसर पर आयोजित कवि सम्मलेन में सर्वप्रथम विभाग प्रमुख डॉ रमेश टंडन के संयोजन में कवित्रय ने माँ शारदे की पूजा की. कुंती, निशा, राजकुमारी ने राज्य गीत गाया. दुर्गेश, आकांक्षा, पुष्पा, राहुल, मनोज, सोनू, पुष्पेन्द्र आदि के सहयोग एवं श्रद्धा कुर्रे के मंच सञ्चालन में डॉ रमेश टंडन ने आमंत्रित कवियों का स्वागत करते हुए ÷तैं मोर गुरतुर बोली÷ कविता कहकर छत्तीसगढ़ की लुप्त संस्कृति की ओर सभी का ध्यान आकृष्ट किया. तत्पश्चात घरघोड़ा से पधारीं डॉ रुक्मिणी सिंह राजपूत ने सुमधुर स्वर में छत्तीसगढ़ी में श्रृंगार के गीत गाकर श्रोता छात्रों के बीच अविस्मर्णीय छाप बनायीं. बिन्चकोट से युवा छंदकार मनोहर दास वैष्णव ÷बैरागी÷ ने छत्तीसगढ़ी में छंद रचना सुनाकर खूब वाहवाही लुटी. साथ में उनकी धर्म पत्नी नूतन भी थीं. खरसिया से कई किताबों के प्रणेता गुलाब सिंह कँवर ÷गुलाब÷ ने सस्वर छत्तीसगढ़ी में गीत और कविता सुनाकर छात्रों में नवीन ऊर्जा का संचार किया और खुद की धर्मपत्नी पर कविता सुनाई. छात्र कौशल ने भी एक गीत गाया.

विभागीय प्रोफेसर डॉ डायमंड साहू, कुसुम चौहान, अंजना शास्त्री सहित छात्र परिषद् के पदाधिकारी अन्नपूर्णा जायसवाल, पायल जायसवाल, श्रेया सागर, अंजली सिदार, पुष्पेन्द्र राठिया, निशा सिदार, राजकुमारी सिदार, कुंती सिदार, नर्मदा राठिया, मनोज बैगा, कौशल दास, श्रद्धा कुर्रे, तोष कुमारी साहू, आकांक्षा राठौर, सुनीता राठिया एवं सलीम राठिया, गज बाई, दुर्गेश पटेल, उमा साहू, डीलेश्वरी साहू, निशा सिदार, प्रीति राठिया, निशा राठिया, टिकेश्वरी गुप्ता, नेहा महंत, मंगलासो, शांति भारद्वाज, जीतू जोशी, पुष्पा नागवंशी, गुलाबी राठिया, राहुल दास, विनायक पटेल।